Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. Semester – I&II)

Sociology

Curriculum

(2023-2024)

Bachelor of Arts - B.A. Sociology Semester I&II

VISION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

एकलव्य विश्वविद्यालय सीखने के माध्यम से जीवन और समाज के उन्नयन हेतु संकल्पित है।

MISSION STATEMENT OF EKLAVYA UNIVERSITY

- मूल्य आधारित शिक्षा के द्वारा आदर्श जीवन, आजीविका और उद्योग को पोषित करना।
- अनुसंधान और विषय के गूढ़ ज्ञान हेतु शिक्षा को व्यावहारिक बनाना।
- सामाजिक एवं तकनीकी कौशल के माध्यम से छात्रों को रोजगार हेतु तैयार करना।
- पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली में निहित ज्ञान की समग्र शिक्षा प्रदान कर छात्रों को उन्नत जीवन एवं रोजगार के लिए तैयार करना।
- अनुसंधान और रचनात्मक परीक्षण के माध्यम से ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना।
- शिक्षा; अनुसंधान और नवाचारों में उत्कृष्टता एवं प्रबंधन के लिए प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा को प्रत्येक व्यक्ति की पहुँच में लाना।
- छात्रों में व्यवहारिक एवं नैतिक शिक्षा के माध्यम से समस्या समाधान कौशल, सामुदायिक नेतृत्व कौशल एवं सामूहिक सामाजिक सेवा कार्य के लिए प्रतिबद्ध करना।
- समान अवसर एवं रोजगार को दृष्टि में रखकर छात्रों को आर्थिक सशक्तीकरण की ओर अग्रसर करना।
- शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से व्यक्ति की जीवन शैली और पद्धति को समुन्नत करना।

VISION STATEMENT OF DEPARTMENT

- **शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के द्वारा मानव जीवन को उन्नत करने हेतु समर्पित।**

MISSION STATEMENT OF DEPARTMENT

- समाजशास्त्र की शिक्षा में उत्कृष्टता एवं विविधता में वृद्धि करना।
- समाजशास्त्र के व्यावहारिक व सैद्धांतिक ज्ञान को सभी के लिए सुलभ कराना।
- समाजशास्त्र को समयानुकूलन के साथ प्रासंगिक बनाना।

PROGRAMME EDUCATIONAL OBJECTIVES (PEOs)

- समाजशास्त्र में स्नातक (बी.ए.) के उपरान्त छात्रों को शोध के लिए अवसर प्राप्त होंगे।
- समाजशास्त्र के विशिष्ट ज्ञान से महत्वपूर्ण एवं तुलनात्मक शोध को प्रोत्साहन मिलेगा।
- समाजशास्त्र में किया गया अध्ययन एवं स्वयं के द्वारा किये गए शोध – अन्वेषण से स्वयं के बौद्धिक स्तर को राष्ट्रीय – अंतर्राष्ट्रीय और सामाजिक – आध्यात्मिक पटल पर स्थापित कर सकेगा।

PROGRAMME OUTCOMES (POs)

- समाजशास्त्र में स्नातक (बी.ए.) अध्ययन से छात्रों में व्यवसाय के क्षेत्र में विशिष्ट ज्ञान अर्जित कर सामाजिक एवं मानव समस्याओं के समाधान करने हेतु संवेदनशीलता तथा समझ विकसित होगी।
- समाजशास्त्र में स्नातक होने से छात्रों में सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक और उनसे संबंधित विषयों की सोच विकसित एवं पल्लवित होगी।
- यह कार्यक्रम छात्रों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने एवं शोध कार्य करने के लिए प्रेरणा प्रदान करेगा।
- समाजशास्त्र में स्नातक करने के उपरान्त छात्र एम.ए., पी–एच.डी. आदि उपाधियां प्राप्त कर उस ज्ञान से विशिष्ट मुद्दों का समाधान एवं नवाचार कर सकेगें।

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs)

- समाजशास्त्र का पर्याप्त ज्ञान अर्जित करना।
- समाजशास्त्र से समाज की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी।
- समाजशास्त्र से आर्थिक, सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों का विकास संभव है।
- समाजशास्त्र में समूह कार्य, ग्रन्थ संपादन कौशल, लेखन–वाचन–श्रवण आदि विधाओं में पारंगत होना।

Course code	Introduction to Sociology (Paper –1)/Major/Minor	L	T	P	C
	समाजशास्त्र का परिचय (प्रश्न पत्र – 1)/मेजर/माईनर				06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – I

Level - 05

Course Objectives: (CO)

1. विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. छात्र के दैनिक जीवन में समाजकार्य का व्यावहारिक ज्ञान होगा।
3. विषय छात्रों की शब्दावली और वैज्ञानिक स्वभाव को संबद्ध करने में योगदान देगा।
4. इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को समाजकार्य विषय से संबंधित रोजगार के अवसरों की जानकारी मिलेगी।

Course Learning Outcome: (CLO)

1. समाजकार्य की विशेषताओं का ज्ञान करना।
2. विद्यार्थी समाजकार्य से समाज की समस्याए समझने में सक्षम होगे।
3. समाज कार्य की मूलभूत अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे।
4. समाजकार्य सीखना समाज को प्रभावित करने वाले कई कारकों की समझ हासिल करने में मदद करेगा।

Student Learning Outcomes (SLO):

1. समाज कल्याण से संबंधित विभिन्न शब्दावलियों के बारे में ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।
2. छात्रों में कौशल एवं अनुकूलन की सोच विकसित होगी।
3. समाजकार्य से जरूरतमंद लोगों की समस्या को समझने में आसानी होगी।
4. समाज कार्य को एक व्यवसाय के रूप में समझकर अपना पाएंगे।

Unit – 1 समाजशास्त्र का उदय — **15**

1. भारतीय चिन्तन की परंपरा
2. समाजशास्त्र –
   - 2.1. अर्थ
   - 2.2. अध्ययन क्षेत्र
   - 2.3. विषय वस्तु
   - 2.4. प्रकृति
   - 2.5. महत्त्व
3. समाजशास्त्र की उत्त्पत्ति एवं विकास
4. समाजशास्त्र में रोजगार के अवसर

The Rise of Sociology

1- Tradition of Indian thought
2- Sociology -
2.1- Meaning
2.2- Study area
2.3- Subject matter
2.4- Nature
2.5- Importance
3- Origin and development of sociology
4- Employment Opportunities in Sociology

Unit – 2 मूलभूत अवधारणाए	15
1. समाज 2. व्यक्ति एवं समाज के मध्य संबंध 3. समुदाय 4. समिति 5. संस्था 6. सामाजिक समूह 7. प्रस्थिति एवं भूमिका	
Basic concepts 1- Society 2- Relationship between individual and society 3- Community 4- Committee 5- Institution 6- Social groups 7- Status and role	
Unit – 3 सामाजिक संगठन एवं संस्थाऐं	**15**
1. परिवार 2. नातेदारी 3. विवाह 4. जाति, वर्ग एवं शक्ति 5. प्रजाति	
Social Organizations and Institutions 1- Family 2- Relationships 3- Marriage 4- Caste, Class and Power 5- Species	
Unit – 4 सामाजिक-सांस्कृतिक प्रक्रियाऐं	**15**
1. संस्कृति – 1.1. अर्थ 1.2. विशेषताऐं 1.3. प्रकार 1.4. संस्कृति एवं सभ्यता 2. समाजीकरण – 2.1. अर्थ 2.2. विशेषताऐं 2.3. सौपान 2.4. अभिकरण 3. सामाजिक प्रक्रियाऐं – 3.1. सहयोग 3.2. व्यवस्थापन 3.3. प्रतिस्पर्धा 3.4. संघर्ष	
Socio-cultural processes 1- Culture -	

1.1- Meaning 1.2- Features 1.3- Type 1.4- Culture and Civilization 2- Socialization - 2.1- Meaning 2.2- Features 2.3- Stepping 2.4- Agency 3- Social Processes 3- Cooperation 3- 2- Management 3.3- Competition 3.4- Conflict	
Unit – 5 सामाजिक नियंत्रण एवं परिवर्तन	**15**
1. सामाजिक नियंत्रण – 1.1. अवधारणा 1.2. सामाजिक नियंत्रण के साधन 2. सामाजिक स्तरीकरण – 2.1. अवधारणा 2.2. आधार 3. सामाजिक परिवर्तन– 3.1. अर्थ 3.2. विशेषताऐं 3.3. सामाजिक परिवर्तन के कारक 3.4. सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान	
Social Control & Change 1- Social Control - 1.1- Concept 1.2- Means of social control 2- Social stratification - 2.1- Concept 2.2- Base 3- Social change- 3.1- Meaning 3.2- Features 3.3- Factors of Social Change 3.4- Patterns of social change	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैगः समाजशास्त्र का उदय, भारतीय चिंतन की परंपरा, समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र का महत्त्व, समाजशास्त्र में रोजगार के अवसर, व्यक्ति और समाज के मध्य संबंध, सामाजिक समूह, सामाजिक प्रस्थिति, समाजशास्त्र में समिति, सामाजिक संगठन, सामाजिक संस्थाए, नातेदारी, विवाह, जाति एवं वर्ग एवं समाजशास्त्र में प्रजाति, संस्कृति, समाजीकरण प्रक्रिया, सभ्यता, समाजिकरण, सहयोग, सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन के कारक, सामाजिक परिवर्तन के प्रतिमान

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. Maclver, Robert M & Charles Hunt Page (1949) Society: An Introductory Analysis, New York.
2. Beteille Andre (1965) Caste, Class & Power. California University, Berkcley.
3. Ghurye GS (1961) Caste, Class & occupation. Popular Book Depot. Bombay.
4. Ogburn & Nimkoff (1947) Hand Book of Sociology, K. PAUL, Trench, Prebner and Comp. Ltd. London.
5. Giddens, A. (2006) Sociology (5th Ed.) Oxford University Press. London
6. Horton and Hunt. (1964) Sociology – The Discipline and its Dimensions: New Central Book Agency, Calcutta.
7. Johnson, Harry M. (1988) Sociology – A Systematic Introduction. Allied Publishes pvt. Ltd. New Delhi.
8. आहूजा राम (2008) समाजशास्त्र – विवेचना और परिप्रेक्ष्य, रावत पब्लिकेशन, जयपुर.
9. अग्रवाल जी.के. (2018) समाजशास्त्र की मूल अवधारणाऐं, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा.
10. दुबे श्यामाचरण (1993) मानव और संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. सिंह जे.पी. (2019) समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत, रावत पब्लिकेशन जयपुर
12. बघेल डी.एस. (2020) समाजशास्त्र कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
13. पाटिल अशोक डी. एवं भदौरिया एस.एस. (2015) समाजशास्त्र परिचय, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण अधिकतम अक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 40

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 60

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) : 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार / प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक: 40
आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

Course code	Sociology of India Paper- II/Major/Minor	L	T	P	C
	भारत का समाजशास्त्र (प्रश्न पत्र 2)/मेजर/माईनर				06
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
	90 Hours	60			

Semester – II

Level - 05

Course Objectives: (CO)

- विषय की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में समाजकार्य विषय के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- विषय में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- अध्ययन विषय के रूप में समाजकार्य की आधारभूत अवधारणाओं का ज्ञान प्राप्त करना।

Course Learning Outcome: (CLO)

- समाजकार्य की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- समाजकार्य दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
- समाज की इकाइयों की पहचान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में विषय कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- विषय के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- सामाजिक समूह और सामाजिक संस्थाओं की मूल बातें जानेंगे।
- सामाजिक व्यवस्था की अवधारणाओं को समझेंगे।
- समाज के अनिवार्य तत्वों को सीखेंगे।
- भारतीय समाज के वैचारिक परिप्रेक्ष्य को समझने के लिए सक्षम होंगे।

Unit – 1 समाजशास्त्र का उदभव — **15**

1. भारतीय चिंतन की परंपरा
2. समाजशास्त्र
   - 2.1. अर्थ
   - 2.2. क्षेत्र
   - 2.3. विषयवस्तु
   - 2.4. प्रकृति
   - 2.5. महत्त्व
3. समाजशास्त्र का विकास

Emergence of Sociology

1- Tradition of Indian thought
2- Sociology
2.1- Meaning
2.2- Area
2.3- Content
2.4- Nature
2.5- Importance
3- Development of Sociology

Unit – 2 समाज की मूलभूत अवधारणऐं — **15**

1. भारतीय समाज की विशेषताएं
2. भारतीय सामाजिक व्यवस्था
   2.1. वर्ण
   2.2. आश्रम
   2.3. पुरूषार्थ
   2.4. कर्म का सिद्धांत
   2.5. संस्कार

Basic concepts of society

1- Characteristics of Indian Society

2- Indian Social System

2.1- Characters

2.2- Ashram

2.3- Purushartha

2.4- Theory of Karma

2.5- Rituals

Unit – 3 भारतीय सामाजिक संरचना और सामाजिक व्यवस्था	**15**

1. परिवार
2. विवाह
3. नातेदारी
4. जाति
5. संस्कृति
6. सामाजिक नियंत्रण
7. सामाजिक परिवर्तन

Indian Social Structure and Social System

1- Family
2- Marriage
3- Relationships
4- Caste
5- Culture
6- Social Control
7- Social change

Unit – 4 जनजातीय समाज, ग्रामीण और नगरीय समाजः	**15**

1. अर्थ और विशेषताएं
2. जनजातियों के भौगोलिक वितरण
3. जनजातिय परिवार एवं विवाह
4. जनजातियों की समस्या
5. ग्रामीण और नगरीय समाज की परिचय, परिभाषा
6. ग्रामीण और नगरीय समाज की विशेषताएं
7. ग्रामीण और नगरीय समाज की समस्याएं

8. जनजाति कल्याण, ग्रामीण एवं नगरीय विकास कार्यक्रम और चुनौतियाँ	
Tribal Society, Rural and Urban Society: 1- Meaning and Characteristics 2- Geographical distribution of tribes 3- Tribal Families and Marriages 4- Problem of tribals 5- Introduction, definition of rural and urban society 6- Characteristics of rural and urban society 7- Problems of rural and urban society 8- Tribal Welfare, Rural and Urban Development Programmes and Challenges	
Unit – 5 सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दे:	**15**
1. लैंगिक मुद्दे 2. बाल शोषण 3. मानव तस्करी 4. घरेलू हिंसा 5. सामाजिक न्याय और मानवाधिकार 6. साइबर क्राइम 7. आपदा प्रबंधन	
Social and Cultural Issues: 1- Gender issues 2- Child abuse 3- Human trafficking 4- Domestic violence 5- Social Justice and Human Rights 6- Cyber Crime 7- Disaster Management	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : समाजशास्त्र का उदभव, परंपरागत भारतीय चिंतन, समाजशास्त्र का विकास, समाजशास्त्र में रोजगार, भारतीय समाज, वर्णव्यवस्था, संस्कार, कर्मसिद्धांत, आश्रम व्यवस्था, परिवार, विवाह, नातेदारी, सामाजिक नियंत्रण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक संरचना, जनजाति समाज, ग्रामीण समाज, नगरीय समाज, जनजाति कल्याण कार्यक्रम, नगरीय विकास कार्यक्रम, लैंगिक मुद्दे, बाल शोषण, मानव तस्करी, साइबर क्राइम, आपदा प्रबंधन, मानवाधिकार		
Text Book(s) / Reference Books		
1. Beteille, Andre (1965) Caste Class & Power, California University, Berkcley. 2. Ghurye, G.S. (1961) Caste, Class & Occupation, Popular Book Depot. Bombay. 3. Chauhan, B.R. (2018) Indian Village, Rawat Publication, Jaipur. 4. Marriott, Mckim (2017) Village India: Studies in the Little Community, Rawat Publication Jaipur. 5. Indra Deva (2018) Society and Culture in India, Rawat Publication, Jaipur. 6. Radcliff- Brown, A.R. (1976). Structure and Function in Primitive Society, Cohen and West, London.		

7. Mishra, Preeti, (2006) Domestic Violence against Women, Deep & Deep Publication, New Delhi.
8. Sharma, Y.K. (2007) Indian Society: Issues & Problems, Laxmi Narayan Agarawal, Publication Agra.
9. Rao, C.N. Shankar (2006) Indian Social Problems, S.Chand & Company, New Delhi.
10. Ahuja, Ram (2000) Social Problems in India, Rawat Publications, Jaipur.
11. सिंह, योगेंद्र (2006) भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण, रावत प्रकाशन, जयपुर।
12. आहूजा, राम (2000) भारतीय सामाजिक समस्याएं, रावत प्रकाशन, जयपुर.
13. देसाई,ए.आर. (2009) भारतीय में ग्रामीण समाजशास्त्र, रावत प्रकाशन, जयपुर.
14. महाजन, धर्मवीर एवं कमलेश (2015) जनजातीय समाज का समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन, नई दिल्ली.
15. उप्रेती, हरिशचन्द्र (1965) भारतीय जनजातियाँ, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर.
16. दीक्षित, ध्रुवकुमार (2010) नगरीय समाजशास्त्र, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर.
17. बघेल, डी.एस. (2019) नगरीय समाजशास्त्र, कैलास बुक सदन, भोपाल.
18. सिंह, बी.एन. (2015) नगरीय समाजशास्त्र, रावत प्रकाशन, जयपुर.
19. बोस, निर्मलकुमार (2013) भारत का ग्रामीण जीवनः एकता और विविधता, रावत प्रकाशन, जयपुर.
20. शर्मा, श्रीनाथ (2010) जनजातीय समाजशास्त्र, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल.
21. हसनैन, नदीम (2001) जनजातीय भारत, जवाहर पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली.
22. सिंह अमिता, (2015) लिंग एवं समाज, विवेक प्रकाशन जवाहर नगर, नई दिल्ली।

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधिया

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँः लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण, अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंकः 40

विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 60

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): 40	क्लास टेस्ट असाइमेंट / क्विज / सेमीनार / प्रस्तुतीकरण / (प्रेजेंटेशन)	20 20 कुल अंक 40
आकलनः विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): पांच अति लघु प्रश्न अनुभाग(ब): पांच लघु प्रश्न अनुभाग(स): चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	01 X 05 = 05 03 X 05 = 15 10 X 04 = 40 कुल अंक 60
कोई टिप्पणी / सुझाव		